रागोत्सव -2, समापन भाग

रागोत्सव ... मानसून उत्सव

फिल्म प्रभाग द्वारा रागोत्सव -II, 'मानसून उत्सव', समापन भाग..., भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित फिल्म प्रभाग के दुर्लभ वृत्तचित्रों का ऑन लाइन महोत्सव 26 अगस्त से 28 अगस्त 2020 तक एफ डी वेबसाइट और यू-ट्यूब चैनल पर किया गया है। यह संस्करण हिंदुस्तानी संगीत के प्रहरी पंडित जसराज की स्मृति को समर्पित रहा जो हिन्दुस्तानी संगीत के साथ-साथ अन्य भारतीय शास्त्रीय स्वर-संगीत एवं कर्नाटिक संगीत स्कूलों की मुखर परंपरा के उस्ताद/अगुआ थे, जिन्होने 17 अगस्त, 2020 को दुनिया को अलविदा कह दिया।

इस फिल्मोत्सव ने शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध घरानाओं और भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपराओं के प्रमुख गुरूओं के जीवन, कार्यों, उनकी प्रदर्शन शैली और मुखर शास्त्रीय संगीत में उनके महत्वपूर्ण योगदान और गहरे प्रभाव पर आधारित एक संगीतमय यात्रा की पेशकश की । इस पैकेज में शास्त्रीय संगीत की बारीकियों और इसकी विशिष्ट शैलियों और परंपराओं पर अच्छी तरह से शोध किए गए वृत्तचित्र शामिल थे।

'रागोत्सव -2' की शुरुआत मधुराजसराज, जो पंडित जसराज की पत्नी एंव महान फिल्म निर्माता, वीशांताराम की बेटी है, के द्वारा निर्देशित फिल्म 'संगीत मार्तंड-पंडित जसराज '(50 मि ./2000) से हुई। पंडित जसराज मेवाती घराने के प्रमुख गायक और समतावादी दर्शन के अनुयायी के रूप में पारंपरिक शास्त्रीय शैली के साथ भक्ति संगीत का एक आदर्श मिश्रण पेश किया।

खयाल गायकी का जिक्र किए बिना शास्त्रीय संगीत की मान्यता क्या पूरी होगी! विभिन्न घरानों या स्कूलों, जैसे जयपुर, ग्वालियर, मेवाती और किराना घराना और उनके प्रमुख सहयोगियों, जिन्होने ख्याल गायकी में योगदान दिया की विशेषताओं को समझने के लिए वृत्तचित्र 'ख्याल' (78 मि./1988/उषादेशपांडे) प्रदर्शित की गई।

फिल्म 'आमिर खान' (18 मिनट। 1970/SNS शास्त्री) में उस्ताद आमिर खान जो इंदौर घराने के संस्थापक के साथ साथ अपने समय के बहु प्रसिद्ध गायकों में से एक थे, जो रागों के सभी भावनात्मक पहलुओं को सामने ला सकते थे, जिन्हे संगीत और अपने बौद्धिक दृष्टिकोण के लिए जाने जाता था, के जीवन और कार्यों को दिखाया गया है।

'एम एस सुब्बुलक्ष्मी' (117 मि./2000/ राजगोपालवी), भारत रत्न से सम्मानित एम एस सुब्बुलक्ष्मी पर एक व्यापक बायोपिक है जिसमे उनकी कर्नाटिक संगीत की प्राचीन और गौरवशाली परंपरा में अपार योगदान के साथ साथ उनकी शानदार संगीत यात्रा को दर्शाया गया है।

.....2/-

संगीत समारोह के दूसरे दिन की शुरुआत किरना घराने के महान भारतीय प्रतिपादक और ख्याल गायकी के विशेषज्ञ, भारत रत्न से सम्मानित, पंडित भीमसेन जोशी पर बनी एक वृत्तचित्र के स्क्रीनिंग के साथ हुई।'पंडित भीमसेनजोशी'(74 मिनट/1992/गुलजार) की जीवनी पर आधारित यह फिल्म हमें संगीत उस्ताद के उस संगीत समारोहों का दर्शन करवाती है जो विभिन्न रागों के प्रति उनके लगाव का विश्लेषण करता है और संगीत आइकन के पीछे खडे आदमी को उजागर करने का प्रयास करता है।

सेम्मन गुड़ी श्रीनिवास अय्यर, एक अनुभवी कर्नाटिक संगीतकार, शिक्षक एवं समर्पित कलाकार थे जिसे आधुनिक कर्नाटिक संगीत के 'पितमहा' के रूप में जाना जाता है। 'सेम्मन गुड़ी श्रीनिवास अय्यर' (20 मि./2000/सिवन), पारंपरिक स्वभाव में कलाकार के आत्मीय संगीत रचना के असाधारण कौशल पर आधारित एक संक्षिप्त बायोपिक है, जिसे इस उत्सव में दिखाया गया।

डॉक्यूमेंट्री 'गिरिजा देवी' (६० मिनट /1999/बिजॉय चटर्जी), सेनिया और बनारस घरानों के प्रतिपादक एंव प्रख्यात शास्त्रीय गायक के जीवन और कार्य का हमें दर्शन कराती है। उन्हें ठुमरी गायकी को आगे बढ़ाने का श्रेय दिया गया। उनके प्रस्तुतियों की सूची में कजरी, चैती, होली एंव कई अन्य शास्त्रीय शैलियाँ भी शामिल थीं।

किराना घराने की एक और प्रतिपादक और अपनी गहरी और जबरदस्त आवाज के लिए जानी जाने वाली गंगू बाई हंगल, महान उस्ताद सवाई गंधर्व की शिष्या थी। फिल्म 'गंगू बाई हंगल' (31-मिनट/1985/विजायामूले), उनपर बनी यह फिल्म उनके ख्याल गायन और दर्शन के प्रति उनके जुनून पर प्रकाश डालती है, इसमे उनके साक्षात्कार को भी शामिल किया गया है ।

'धुपद' (68 मिनट। 1982/ मनि कौल), जैसा कि नाम से ही पता चलता है -'धुपद', हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में एक विशेष शैली है, इस ऑनलाइन उत्सव के हिस्से के रूप में प्रदर्शित की गई। यधपि इसके मौजूदा स्वरूप और धुपद की जड़ों में सुधार हुआ है, फिर भी इससे एक हज़ार साल तक के समकालिन प्रथाओं का पता लगाया जा सकता है।

शास्त्रीय संगीत की दुनिया का तराना बंदिश से विशेष लगाव है। 'तराना'(26 मिनट /1995/रजत कपूर), इसकी एक अनूठी शैली और इसके बंदिश की विशेषता "दर-दर, दिर-दिर' जैसे शब्दांशों को नियोजित करता है। 'ख्यालनुमा' तराना का एक प्रकार है, जिसे इस फिल्म में भी प्रस्तुत किया गया है

3-रे दिन 'सिद्धदहेश्वरी' (92 मिनट/1989/ मणी कौल), जो जीवनी या वृत्तचित्र फिल्म निर्माण के सभी पारंपरिक तरीकों को तोड़कर बनाई गई कृति में से एक है, को स्ट्रीम किया गया। महान हिंदुस्तानी गायिका, सिधेश्वरी देवी के जीवन और कार्यों के लिए समर्पित यह फिल्म, शास्त्रीय संगीत की दुनिया में, उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करती है।

'हंस अकेला' (81 मिनट/2006/जब्बार पटेल), एक पोते द्वारा अपने दादा के जीवन और कार्यों की खोज को दर्शाता है। भुवनेश कोम कली हमें अपने दादा कुमार गंधर्व की संगीतमय जड़ों की खोज की ओर वापस ले जाता है। वह कुमारजी की गायन शैली और इसके पीछे की सोच का विश्लेषण करता है। कुमार गंधर्व के बारे में उसकी खोज सिर्फ एक गायन किंवदंती के रूप में नहीं बल्कि एक संगीतज्ञ के रूप में भी है।

'मेलोडीमैन -डॉ बाला मुरली कृष्ण' (28min./1999/गुल बहार सिंह) को उत्सव के 3-रे दिन स्ट्रीम किया गया । जैसा कि फिल्म के शीर्षक से पता चलता है, वास्तव में कला के एक जादूगर थे। कर्नाटिक संगीत के महान प्रतिपादकों में से एक - डॉ बाल मुरली कृष्ण, एक गायक, बहु-वादक, पार्श्व गायक, संगीतकार और चरित्र अभिनेता थे। इस फिल्म में, नई सीमा के लिए उनकी निरंतर खोजों और उनकी असीम रचनात्मकता को, इस वृत्तचित्र के माध्यम से चित्रित किया गया है ।

रागोत्सव-द्वितीय को भी सिनेप्रेमियों की अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और 2269 ऑनलाइन दर्शकों की संख्या दर्ज की गई। इस ऑनलाइन फिल्मोत्सव को विभिन्न प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया द्वारा व्यापक तौर पर कवर किया गया ।

फिल्म प्रभाग वेबसाईट

Contd. on Pg.-4/…..

फिल्म प्रभाग - यूट्यूब चैनल

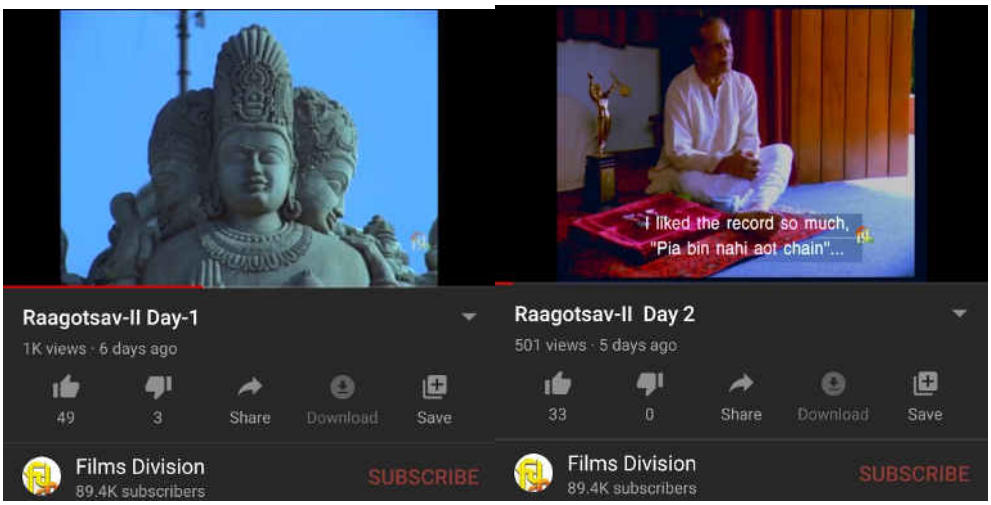

Contd. on Pg.-5/…..

फिल्म प्रभाग - फेस्बूक पोस्ट https://www.facebook.com/FilmsDivision/

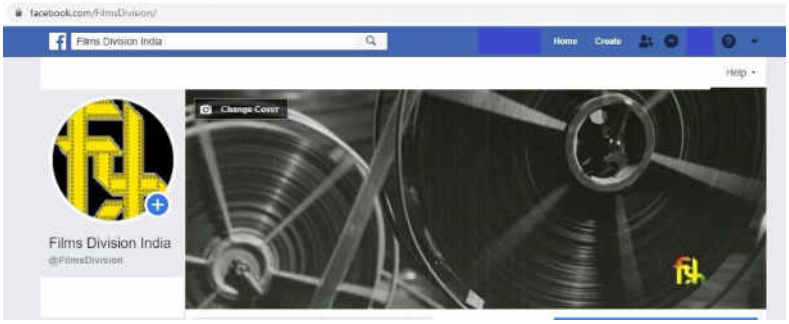

Contd. on Pg.-6/…..

फिल्म प्रभाग - ट्विटर https://twitter.com/Films_Division

Contd. on Pg.-7/…..

By Press Information Bureau……..

9/1/2020 Press Information Bureau

Ministry of Information & Broadcasting

Raagotsav II to pay tribute to Pt Jasraj and other Masters of music

Online Documentary film festival aims at introducing the younger generation of music lovers to the treasure trove of great traditions of music in India

Posted On: 26 AUG 2020 7:55PM by PIB Mumbai

Mumbai, 26 August 2020

The concluding part of *'RAAGOTSAV...Celebration of Monsoon'*, an online festival of rare Films Division documentaries on Indian classical music has started streaming on FD Website and You Tube channel from today. Dedicated to the memory of Pt Jasraj, the doyen of Hindustani Music who departed on 17th August, 2020, and also to other maestros of vocal tradition of Indian classical music – both Hindustani and Carnatic schools, this online festival will continue till 28th Aug, 2020. It offers a veritable musical journey through the life and works of prominent masters of famous gharanas and traditions of Indian Classical music - their performing styles and profound impact and valuable contribution to the vocal classical music. The package also includes well-researched documentaries on the nuances of classical music and its distinct styles and traditions.

Today, the beginning of *'RAAGOTSAV-II'* happened with **'Sangeet Martand - Pt. Jasraj'**(50 min./2000/Madhura Jasraj). Among the prominent vocalists of Mewati gharana and follower of egalitarian philosophy, Pt Jasraj introduced a perfect blend of devotional music with traditional classical style. His total submission to God and Music and his thought process behind introducing new format of jugalbandi, has been potrayed in the biopic, *Jasrangi* which has been the first on the slot today.

Without mentioning Khayal gayaki, recognition of classical music will be incomplete. The documentary **'Khayal'** (78 min./1988/Usha Deshpande) helps us to understand the characteristics of various gharanas or schools such as the Jaipur, Gwalior, Mewati and Kirana gharana and contributions made by their leading exponents to Khayal Gayaki.

Film **'Amir Khan'**(18 min./1970/SNS Sastri) portrays the life and works of Ustad Amir Khan, founder of the Indore Gharana, known for his intellectual approach to music and one of the greatly admired vocalists of his times who could bring out all the emotive aspects of the raagas.

'M S Subbulakshmi'(117 min./2000/Rajgopal V) is a comprehensive biopic on Bharat Ratna, M S Subbulakshmi and depicts her illustrious journey and immense contribution to the ancient and glorious tradition of Carnatic music, especially her bhajans with extra ordinary bhakti bhavana that moved great personalities including Mahatma Gandhi to tears.

https://pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1648824 1/3

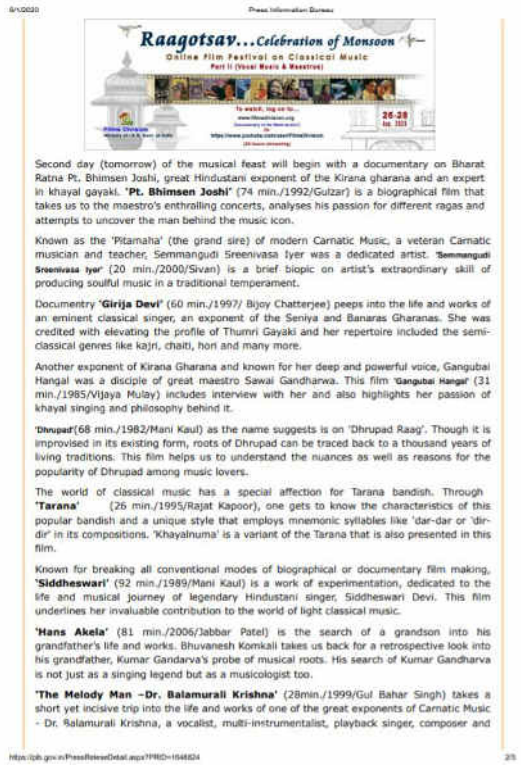

9/1/2020 Press Information Bureau

Second day (tomorrow) of the musical feast will begin with a documentary on Bharat Ratna Pt. Bhimsen Joshi, great Hindustani exponent of the Kirana gharana and an expert in khayal gayaki. **'Pt. Bhimsen Joshi'** (74 min./1992/Gulzar) is a biographical film that takes us to the maestro's enthralling concerts, analyses his passion for different ragas and attempts to uncover the man behind the music icon.

Known as the 'Pitamaha' (the grand sire) of modern Carnatic Music, a veteran Carnatic musician and teacher, Semmangudi Sreenivasa Iyer was a dedicated artist. **'Semmangudi Sreenivasa Iyer'** (20 min./2000/Sivan) is a brief biopic on artist's extraordinary skill of producing soulful music in a traditional temperament.

Documentry **'Girija Devi'** (60 min./1997/ Bijoy Chatterjee) peeps into the life and works of an eminent classical singer, an exponent of the Seniya and Banaras Gharanas. She was credited with elevating the profile of Thumri Gayaki and her repertoire included the semi-classical genres like kajri, chaiti, hori and many more.

Another exponent of Kirana Gharana and known for her deep and powerful voice, Gangubai Hangal was a disciple of great maestro Sawai Gandharwa. This film **'Gangubai Hangal'** (31 min./1985/Vijaya Mulay) includes interview with her and also highlights her passion of khayal singing and philosophy behind it.

'Dhrupad'(68 min./1982/Mani Kaul) as the name suggests is on 'Dhrupad Raag'. Though it is improvised in its existing form, roots of Dhrupad can be traced back to a thousand years of living traditions. This film helps us to understand the nuances as well as reasons for the popularity of Dhrupad among music lovers.

The world of classical music has a special affection for Tarana bandish. Through **'Tarana'** (26 min./1995/Rajat Kapoor), one gets to know the characteristics of this popular bandish and a unique style that employs mnemonic syllables like 'dar-dar or 'dir-dir' in its compositions. 'Khayalnuma' is a variant of the Tarana that is also presented in this film.

Known for breaking all conventional modes of biographical or documentary film making, **'Siddheswari'** (92 min./1989/Mani Kaul) is a work of experimentation, dedicated to the life and musical journey of legendary Hindustani singer, Siddheswari Devi. This film underlines her invaluable contribution to the world of light classical music.

'Hans Akela' (81 min./2006/Jabbar Patel) is the search of a grandson into his grandfather's life and works. Bhuvanesh Komkali takes us back for a retrospective look into his grandfather, Kumar Gandarva's probe of musical roots. His search of Kumar Gandharva is not just as a singing legend but as a musicologist too.

'The Melody Man –Dr. Balamurali Krishna' (28min./1999/Gul Bahar Singh) takes a short yet incisive trip into the life and works of one of the great exponents of Carnatic Music - Dr. Balamurali Krishna, a vocalist, multi-instrumentalist, playback singer, composer and

https://pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1648824 2/3

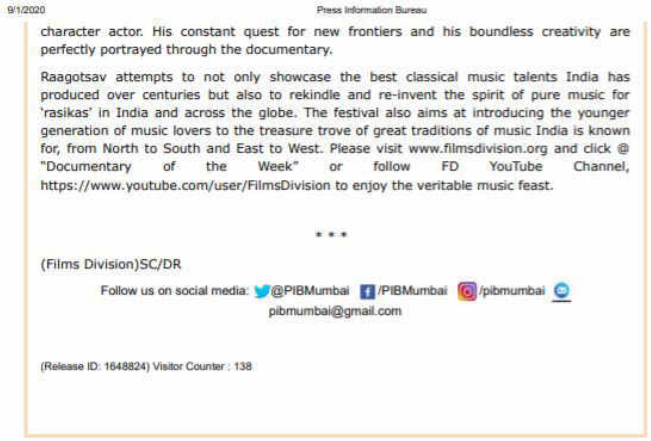

9/1/2020 Press Information Bureau

character actor. His constant quest for new frontiers and his boundless creativity are perfectly portrayed through the documentary.

Raagotsav attempts to not only showcase the best classical music talents India has produced over centuries but also to rekindle and re-invent the spirit of pure music for 'rasikas' in India and across the globe. The festival also aims at introducing the younger generation of music lovers to the treasure trove of great traditions of music India is known for, from North to South and East to West. Please visit www.filmsdivision.org and click @ "Documentary of the Week" or follow FD YouTube Channel, https://www.youtube.com/user/FilmsDivision to enjoy the veritable music feast.

* * *

(Films Division)SC/DR

Follow us on social media: @PIBMumbai /PIBMumbai /pibmumbai
pibmumbai@gmail.com

(Release ID: 1648824) Visitor Counter : 138

Contd. on Pg.-8/…..

Tweets of Ministry of Information & Broadcasting, Press Information Bureau& others……..

PIB in Maharashtra
@PIBMumbai

Raagotsav- Online Film Festival on Classical Music Part-2 is paying tribute to Pandit Jasraj

Log on to filmsdivision.org and click "Documentary of the Week" or follow @Films_Division YouTube Channel, youtube.com/user/FilmsDivi... to celebrate music

pib.gov.in/PressReleasePa...

MIB India #StayHome #StaySafe and 9 others

Contd. on Pg.-9/…..

Indiaeducationdiary.in onRaagotsav-II

indiaeducationdiary.in/re-live-indias-freedom-movement-with-films-division-this-independence-day/

India EducationDiary.com

Home | News | State News | Scholarship | Exam | Notification | Competition | Exam Results | Edu Events

Film Events | National News

Raagotsav II to pay tribute to Pt Jasraj and other Masters of music

By India Education Diary Bureau Admin August 26, 2020

Mumbai: The concluding part of 'RAAGOTSAV...Celebration of Monsoon', an online festival of rare Films Division documentaries on Indian classical music has started streaming on FD Website and You Tube channel from today. Dedicated to the memory of Pt Jasraj, the doyen of Hindustani Music who departed on 17th August, 2020, and also to other maestros of vocal tradition of Indian classical music – both Hindustani and Carnatic schools, this online festival will continue till 28th Aug, 2020. It offers a veritable musical journey through the life and works of prominent masters of famous gharanas and traditions of Indian Classical music – their performing styles and profound impact and valuable contribution to the vocal classical music. The package also includes well-researched documentaries on the nuances of classical music and its distinct styles and traditions.

Today, the beginning of 'RAAGOTSAV-II' happened with 'Sangeet Martand – Pt. Jasraj'(50 min./2000/Madhura Jasraj). Among the prominent vocalists of Mewati gharana and follower of egalitarian philosophy, Pt Jasraj introduced a perfect blend of devotional music with traditional classical style. His total submission to God and Music and his thought process behind introducing new format of Jugalbandi, has been potrayed in the biopic, Jasrangi which has been the first on the slot today.

Without mentioning Khayal gayaki, recognition of classical music will be incomplete. The documentary 'Khayal' (78 min./1968/Usha Deshpande) helps us to understand the characteristics of various gharanas or schools such as the Jaipur, Gwalior, Mewati and Kirana gharana and contributions made by their leading exponents to Khayal Gayaki.

Film 'Amir Khan'(18 min./1970/SNS Sastri) portrays the life and works of Ustad Amir Khan, founder of the Indore Gharana, known for his intellectual approach to music and one of the greatly admired vocalists of his times who could bring out all the emotive aspects of the raagas.

'M S Subbulakshmi'(117 min./2000/Rajgopal V) is a comprehensive biopic on Bharat Ratna, M S Subbulakshmi and depicts her illustrious journey and immense contribution to the ancient and glorious tradition of Carnatic music, especially her bhajans with extra ordinary bhakti bhavana that moved great personalities including Mahatma Gandhi to tears.

Second day (tomorrow) of the musical feast will begin with a documentary on Bharat Ratna Pt. Bhimsen Joshi, great Hindustani exponent of the Kirana gharana and an expert in khayal gayaki. 'Pt. Bhimsen Joshi' (74 min./1992/Gulzar) is a biographical film that takes us to the maestro's enthralling concerts, analyses his passion for different ragas and attempts to uncover the man behind the music icon.

Known as the 'Pitamaha' (the grand sire) of modern Carnatic Music, a veteran Carnatic musician and teacher, Semmangudi Sreenivasa Iyer was a dedicated artist. 'Semmangudi Sreenivasa Iyer' (20 min./2000/Sivan) is a brief biopic on artist's extraordinary skill of producing soulful music in a traditional temperament.

Documentry 'Girija Devi' (60 min./1997/ Bijoy Chatterjee) peeps into the life and works of an eminent classical singer, an exponent of the Seniya and Banaras Gharanas. She was credited with elevating the profile of Thumri Gayaki and her repertoire included the semi-classical genres like kajri, chaiti, hori and many more.

Another exponent of Kirana Gharana and known for her deep and powerful voice, Gangubai Hangal was a disciple of great maestro Sawai Gandharwa. This film 'Gangubai Hangal' (31 min./1985/Vijaya Mulay) includes interview with her and also highlights her passion of khayal singing and philosophy behind it.

'Dhrupad'(68 min./1982/Mani Kaul) as the name suggests is on 'Dhrupad Raag'. Though it is improvised in its existing form, roots of Dhrupad can be traced back to a thousand years of living traditions. This film helps us to understand the nuances as well as reasons for the popularity of Dhrupad among music lovers.

The world of classical music has a special affection for Tarana bandish. Through 'Tarana' (26 min./1995/Rajat Kapoor), one gets to know the characteristics of this popular bandish and a unique style that employs mnemonic syllables like 'dar-dar or 'dir-dir' in its compositions. 'Khayalnuma' is a variant of the Tarana that is also presented in this film.

Known for breaking all conventional modes of biographical or documentary film making, 'Siddheswari' (92 min./1989/Mani Kaul) is a work of experimentation, dedicated to the life and musical journey of legendary Hindustani singer, Siddheswari Devi. This film underlines her invaluable contribution to the world of light classical music.

'Hans Akela' (91 min./2006/Jabbar Patel) is the search of a grandson into his grandfather's life and works. Bhuvanesh Komkali takes us back for a retrospective look into his grandfather, Kumar Gandarva's probe of musical roots. His search of Kumar Gandharva is not just as a singing legend but as a musicologist too.

'The Melody Man –Dr. Balamurali Krishna' (26min./1999/Gul Bahar Singh) takes a short yet incisive trip into the life and works of one of the great exponents of Carnatic Music – Dr. Balamurali Krishna, a vocalist, multi-instrumentalist, playback singer, composer and character actor. His constant quest for new frontiers and his boundless creativity are perfectly portrayed through the documentary.

Raagotsav attempts to not only showcase the best classical music talents India has produced over centuries but also to rekindle and re-invent the spirit of pure music for 'rasikas' in India and across the globe. The festival also aims at introducing the younger generation of music lovers to the treasure trove of great traditions of music India is known for, from North to South and East to West. Please visit www.filmsdivision.org and click @ "Documentary of the Week" or follow FD YouTube Channel, https://www.youtube.com/user/FilmsDivision to enjoy the veritable music feast.

Contd. on Pg.-10/…..

drishtiias.com Hindi on Raagotsav-II

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-27-august-2020

प्रिलिम्स फैक्ट्स: 27अगस्त, 2020

- ☑ रागोत्सव II
- ☑ प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2021
- ☑ एएसआई के सात नए प्रशासनिक सर्कल
- ☑ पुलिक्कली

रागोत्सव II

Raagotsav II

26 अगस्त, 2020 को भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के फिल्म प्रभाग द्वारा हिंदुस्तानी संगीत के प्रणेता पंडित जसराज एवं अन्य संगीतज्ञों को श्रद्धांजलि देने के लिये एक ऑनलाइन उत्सव **'रागोत्सव II'** (Raagotsav II) का आयोजन किया गया। यह ऑनलाइन उत्सव 28 अगस्त, 2020 तक चलेगा।

प्रमुख बिंदु:

- इस अवसर पर भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित एक डाक्युमेन्ट्री 'रागोत्सव: **सेलिब्रेशन ऑफ मॉनसून**' (RAAGOTSAV: Celebration of Monsoon) का ऑनलाइन प्रसारण एफडी वेबसाइट (FD Website) और यू-ट्यूब चैनल केमाध्यम से किया गया है।
- यह उत्सव भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपराओं एवं प्रसिद्ध संगीत घरानों के संगीतज्ञों के जीवन एवं कार्यों पर आधारित एक संगीतमय यात्रा से परिचित होने का अवसर प्रदान करता है।
  - मेवाती घराने (Mewati Gharana) के प्रमुख गायक और समतावादी दर्शन (Egalitarian Philosophy) के अनुयायी पं. जसराज ने पारंपरिक शास्त्रीय शैली के साथ भक्ति संगीत का एक आदर्श मिश्रण पेश किया है।

ख्याल (Khayal) पर एक वृत्तचित्र :

- वृत्तचित्र 'ख्याल' (Documentary 'Khayal'): इस वृत्तचित्र के माध्यम से जयपुर, ग्वालियर, मेवाती एवं किराना जैसे विभिन्न घरानों की विशेषताओं और ख्याल गायकी के लिये संगीतज्ञों द्वारा किये गए योगदान को समझा जा सकता है।

फिल्म 'आमिर खान' (Film 'Amir Khan'):

- फिल्म 'आमिर खान' **इंदौर घराने** के संस्थापक **'उस्ताद आमिर खान'** के जीवन और कार्यों को चित्रित करती है जो संगीत हेतु अपने बौद्धिक दृष्टिकोण के लिये जाने जाते हैं और अपने समय के सबसे प्रशंसित गायकों में से एक हैं जो रागों के सभीभावनात्मक पहलुओं को सामने ला सके।

एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी (M S Subbulakshmi) पर एक बायोपिक:

- इस बायोपिक में भारत रत्न एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी का संगीत के क्षेत्र में योगदान तथा कर्नाटक संगीत की प्राचीन एवं गौरवशाली परंपरा में उनके अपार योगदान को दर्शाया गया है।

पं. भीमसेन जोशी पर एक वृत्तचित्र:

- भारत रत्न भीमसेन जोशी किराना घराने के हिंदुस्तानी संगीत प्रतिपादक और ख्याल गायकी के विशेषज्ञ थे।

सेमांगुड़ी श्रीनिवास अय्यर (Semmangudi Sreenivasa Iyer) पर एक बायोपिक:

- इन्हें आधुनिक कर्नाटक संगीत के 'पितामह' के रूप में जाना जाता है।

गिरिजा देवी (Girija Devi) पर एक वृत्तचित्र:

- इसमें सेनिया (Seniya) और बनारस घराने की एक कलाकार तथा प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका गिरिजा देवी के जीवन एवं कार्यों को दिखाया गया है।
- इन्हें ठुमरी गायकी के स्तर को ऊँचा करने का श्रेय दिया जाता है और इनके प्रदर्शनों की सूची में कजरी, चैती, होरी जैसी कई तरह की अर्द्ध-शास्त्रीय शैलियों को शामिल किया गया।

गंगूबाई हंगल (Gangubai Hangal) पर एक फिल्म:

- किराना घराने से संबंधित और अपनी गहरी एवं शक्तिशाली आवाज़ के लिये जानी जाने वाली गंगूबाई हंगल (Gangubai Hangal) महान उस्ताद सवाई गंधर्व (Sawai Gandharwa) की शिष्या थीं।
- इस फिल्म में उनके ख्याल गायन एवं दर्शन पर प्रकाश डाला गया है।

सिद्धेश्वरी (Siddheswari) पर एक फिल्म:

- यह फिल्म हिंदुस्तानी गायिका, सिद्धेश्वरी देवी के जीवन एवं उनकी संगीत यात्रा को समर्पित है।
- यह फिल्म शास्त्रीय संगीत की दुनिया में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करती है।

हंस अकेला (Hans Akela):

- 'हंस अकेला' एक पोते की अपने दादा के जीवन एवं कार्यों में खोज पर आधारित फिल्म है। यह खोज सिर्फ एक गायन किंवदंती के रूप में नहीं है बल्कि एक संगीतज्ञ के रूप में भी है।

द मेलोडी मैन: डॉ बालमुरली कृष्ण (The Melody Man –Dr. Balamurali Krishna):

- यह फिल्म कर्नाटक संगीत के महान प्रतिपादक 'डॉ. बालमुरली कृष्णा' के जीवन पर आधारित है जो एक गायक, बहु-वादक, संगीतकार एवं अभिनेता थे।
- इसके अतिरिक्त तराना, ध्रुपद जैसे संगीत पर भी वृत्तचित्र एवं फिल्म का चित्रांकन किया गया।

*****